सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in · www.facebook.com/4pmnewsnetwork · @Editor_SanjayS · YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 264 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 2 नवम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

जब आप सांस लेते हैं, आप भगवान से शक्ति ले रहे होते हैं। जब आप सांस छोड़ते हैं तो ये उस सेवा को दर्शाता है जो आप दुनिया को दे रहे हैं।

–बी के एस आयंगर

भारत ने आखिरी टेस्ट में स्थिति... 7 | किसकी किस्मत बदलेगा शिअद... 3 | निगेटिव नारे बीजेपी के ताबूत में... 2

इस दिवाली पर बीजेपी ने पूरी की झूठे वादों की शतकीय पारी, बोले प्रमोद तिवारी

बीजेपी को एक और झूठ बोलने की क्या थी जरूरत ?

» कहा- भाजपा के झूठे वादों की लंबी लिस्ट

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। क्या लोगों को 15 लाख रुपये मिले? क्या हर साल 2 करोड़ नौकरियां सभी को मिल गईं? क्या पेट्रोल 25 रुपये लीटर हो गया? क्या किसानों को उनकी उपज का दुगना लाभ मिलने लगा? यह वह सवाल है जो कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी ने पीएम मोदी से पूछे है और कहा है कि भाजपा के झूठे वादों की लंबी लिस्ट।

आखिर क्या कारण है कि इस दीवाली पीएम मोदी को एक और झूठ बोलना पड़ा। उन्होंने कहा कि यदि मैं आपके और आपकी पार्टी के झूठे वादों को गिनाने लगूं, तो यह एक शतकीय पारी बन जाएगी। आपकी पार्टी के वादों का अंत नहीं हो रहा है। पीएम मोदी द्वारा कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की शक्ति गारंटी योजना पर तंजिया सवाल खड़ा करने के जवाब में प्रमोद तिवारी ने यह सवाल बीजेपी से पूछे हैं।

'भाजपा को अपने दामन में झांककर देखना चाहिए'

प्रमोद तिवार ने पीएम से सीधे पूछा है कि क्या बीजेपी जो कहती है वह करती है? क्या आम लोगों को 15 लाख रुपए मिले? उन्होंने कहा, दीपावली अंधेरे पर उजाले का त्यौहार है। यह झूठ पर सच्चाई की विजय का प्रतीक है, और इस दिन प्रधानमंत्री जी को कम से कम सही बातें करनी चाहिए थीं। जब पूरा देश उत्सव मना रहा है, तब आपने जो टिप्पणी की कि कांग्रेस जो कहती है, वह करती नहीं, वह बहुत गलत थी। सांसद ने आगे कहा, कांग्रेस ने इस देश को आजादी दिलाने की बात की और इसे हकीकत में बदला। जमींदारी प्रथा का अंत किया, बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया, और किसानों के लिए अनगिनत योजनाएं चलाईं। भाजपा को अपने दामन में झांककर देखना चाहिए। क्या लोगों को 15 लाख रुपये मिले? वह तो आप ही का वायदा था।

क्या सस्ता हुआ पेट्रोल?

क्या हर साल 2 करोड़ नौकरियां सभी को मिल गईं? आपने कहा था कि पेट्रोल 25 रुपये लीटर होगा, लेकिन अब यह सौ रुपये से भी पार हो गया। आपने कहा था कि अच्छे दिन आएंगे, लेकिन देश का हाल यह है कि अच्छे दिन अब तक नहीं आए। किसानों को उनकी उपज का दुगना लाभ देने का जो वादा किया था, वह कहां गया? वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भाजपा के झूठे वादों की लिस्ट लंबी है। उन्होंने कहा, कृपया, पूंजीपतियों की तिजोरी भरना बंद करें और गरीबों की ओर ध्यान दें। आपने कहा था कि 'न कोई आया है, न कोई है' जब हमने चीन की सेनाओं की स्थिति पर सवाल उठाए थे। अब आप और आपके मंत्री कह रहे हैं कि समझौता हो गया है और चीन की सेनाएं वहां से हट रही हैं। तो प्रधानमंत्री, कम से कम दीपावली के इस पर्व पर एक और झूठ बोलने की क्या जरूरत थी?

कांग्रेस जो कहती है वह करती है

पीएम मोदी का तंज यूपी के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी को पसंद नहीं आया। या यूं कहें कि कांग्रेस ने रणनीति के तहत पीएम के तंज का जवाब उत्तर प्रदेश से दिया क्योंकि यहां उपचुनाव है और बीजेपी किसी भी कीमत पर यहां जीत दर्ज करना चाहती है। जबकि कांग्रेस ने बीजेपी को हराने के लिए सपा को सभी सीटें दे दी हैं। प्रमोद तिवारी ने कहा है कि कांग्रेस जो कहती है, वह करती है। कांग्रेस ने देश की आजादी की बात कही और देश को आजादी दिलाई।

कांग्रेस ने जनता को धोखा दिया!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक में शक्ति गारंटी योजना पर तंज कसते हुए कहा है कि कांग्रेस लोगों से झूठे वादे करती है, क्योंकि इन्हें वह पूरा नहीं कर पाती। दरअसल सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस की गारंटियों पर सवाल खड़े किये हैं। पीएम ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस इस बात को भली-भांति समझ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है लेकिन उन्हें सही ढंग से लागू करना कठिन या असंभव है। वो लोगों से ऐसे वादे करते हैं जिन्हें वो भी जानते हैं कि कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। अब कांग्रेस लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गई है। पीएम मोदी ने कांग्रेस की ओर से चुनाव के दौरान दी जाने वाली गारंटियों को जनता के साथ धोखा बताया।

पाकिस्तान में एक और बम धमाका 9 मरे, 29 घायल

» पुलिस वैन को निशाना बना कर आईईडी से किया गया धमाका

» मुख्यमंत्री बोले- नागरिकों की हत्या का बदला लेंगे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

बलूचिस्तान। खबर पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग जिले से आ रही है जहां बम विस्फोट में कम से कम 9 लोगों की मौत की सूचना हैं। पुलिस वैन को निशाना बनाकर किये गये इस आईईडी धमाके में 29 लोग घायल भी हुए हैं। बलूचिस्तान के मस्तुंग में सुबह लोकल समयानुसार करीब 8:35 बजे यह धमाका हुआ है।

जानकारी के अनुसार यह धमाका एक पुलिस वैन को निशाना बनाकर किया गया और लड़कियों के एक स्कूल और सिविल अस्पताल के पास किया गया। एक मोटरसाइकिल में आईईडी लगाया गया था, जो पुलिस की वैन के पास ही खड़ी हुई थी। धमाका काफी भीषण था। वहीं बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगाटी ने इस ब्लास्ट की निंदा करते हुए इसे अमानवीय करार दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, हम मासूम बच्चों और नागरिकों की हत्या का बदला लेंगे। इसके अलावा उन्होंने नागरिकों से आतंकवादियों के प्रति सतर्क रहने की अपील की। धमाके के बाद, क्वेटा के सभी अस्पतालों में इमरजेंसी लागू की गई है। इसमें कहा गया कि सभी डॉक्टर, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स और अन्य चिकित्सा स्टाफ को तुरंत बुलाया गया है। हमले को लेकर किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि बलूच और तालिबानी मिलिटेंट इस प्रांत में सुरक्षाबलों को निशाना बनाते रहते हैं।

मरने वालों में 6 बच्चे और पुलिसकर्मी शामिल

इस आईईडी धमाके में 9 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 स्कूली बच्चियां, एक लड़का, एक पुलिसकर्मी और दो अन्य नागरिक शामिल हैं। इस आईईडी धमाके में 29 लोग घायल भी हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इनमें से कुछ की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

आतंकी हमला, जांच शुरू

पाकिस्तान के बलूचिस्तान के मस्तुंग में हुए इस आईईडी धमाके के आतंकी हमला होने की पुष्टि हो गई है। ऐसे में पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और आतंकियों को ढूंढने की कोशिश की जा रही है।

क्वेटा के सभी अस्पतालों में आपातकाल घोषित

घायलों में से अधिकांश स्कूली बच्चे थे, उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट में एक पुलिस वैन और कई ऑटो-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गए। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि विस्फोट के बाद क्वेटा के सभी अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है, साथ ही सभी डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, स्टाफ नर्सों और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों को बुलाया गया है।

निगेटिव नारे बीजेपी के ताबूत में आखिरी कील साबित होंगे : अखिलेश

» कहा- यह नारा निगेटिव है और पूरे देश में बीजेपी का खात्मा हो जाएगा

» बोले-देश के इतिहास में ये नारा निकृष्टतम-नारे के रूप में दर्ज होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बटेंगे तो कटेंगे नारे से बीजेपी खत्म हो जाएगी। गौरतलब है कि यूपी में गढ़ा गया नारा बटेंगे तो कटेंगे पूरे देश में सुर्खियों में है। अखिलेश यादव ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि यह नारा निगेटिव है और पूरे देश में बीजेपी का खात्मा हो जाएगा। अखिलेश के मुताबिक बीजेपी के लिए यह नारा कील साबित होगा।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी का नकारात्मक-नारा उनकी निराशा-नाकामी का प्रतीक है। इस नारे ने साबित कर दिया है कि उनके जो गिनती के 10 प्रतिशत मतदाता बचे हैं अब वो भी खिसकने के कगार पर हैं, इसीलिए ये उनको डराकर एक करने की कोशिश में जुटे हैं लेकिन ऐसा कुछ होने वाला नहीं।

उन्होंने आगे कहा- देश के इतिहास में ये नारा निकृष्टतम-नारे के रूप में दर्ज होगा और उनके राजनीतिक पतन के अंतिम अध्याय के रूप में आखिर शाब्दिक कील-सा साबित होगा।

लोकसभा हार से बीजेपी सदमे में

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही यूपी में बीजेपी सदमे में हैं। 80 सीटों वाली यूपी में सपा गठबंधन को 43 सीटों पर जीत मिली थी जबकि बीजेपी गठबंधन 36 सीटों पर ही जीत हासिल कर पायी थी। एक सीट पर आजाद समाज पार्टी को जीत मिली।

निगेटिव का जवाब पॉजिटिव के साथ

सपा ने बटेंगे तो कटेंगे के जवाब में नारा दिया है कि न कटेंगे, न बटेंगे हम जीतेंगे। इसको लेकर लखनऊ में पोस्टर भी लगाए गए हैं। पोस्टर पर अखिलेश यादव की तस्वीर के साथ जुड़ेंगे तो जीतेंगे लिखा है। सपा मुखिया ने हाल ही में कहा था कि बटेंगे तो कटेंगे का एक ही मकसद है, पीडीए यूपी में बंटेगा नहीं। पीडीए का मतलब पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक।

आरएसएस ने भी किया था नारे का समर्थन

अगस्त 2024 में पहली बार सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक रैली में बटेंगे तो कटेंगे का नारा दिया था। योगी ने कहा था कि बांग्लादेश में लोग मारे जा रहे हैं। आप लोग भी समझ लीजिए, अगर बटेंगे तो हम कटेंगे। योगी के इस नारे का हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी समर्थन किया है। अखिलेश यादव के मुताबिक यह नारा एक विशेष लैब में तैयार किया गया है, जिससे बीजेपी अपनी नाकामी को आसानी से छुपा ले।

उत्तर प्रदेश उपचुनाव

9 विधानसभा सीटों पर 90 उम्मीदवार मैदान में

» मीरापुर में 33 कैंडिडेट्स के बीच होगा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए बुधवार को पांच उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। इसके बाद अब 90 उम्मीदवार मैदान में हैं। नामांकन वापसी के अंतिम दिन जिन उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस लिया, उनमें कुंदरकी सीट पर दो (जयवीर सिंह और बृजानंद- दोनों निर्दलीय) और मीरापुर (शाह मोहम्मद राणा - निर्दलीय), सीसामऊ (मोहम्मद आफताब शरीफ - राष्ट्रवादी जनतांत्रिक पार्टी) और कटेहरी (कृष्णावती - राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी) में एक-एक उम्मीदवार शामिल हैं।

निर्वाचन आयोग ने 18 अक्टूबर को आगामी विधानसभा उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी की थी। सबसे अधिक 33 प्रत्याशी मीरापुर में हैं। यहां कुल 34 लोगों ने दांव आजमाया लेकिन एक ने नामांकन वापस ले लिया। आयोग के मुताबिक, नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्टूबर को हुई। उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर थी। मतदान 13 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी। निर्वाचन आयोग ने 15 अक्टूबर को यूपी की नौ सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की थी, जिसमें अदालत में चल रहे मामले के कारण मिल्कीपुर (अयोध्या) को छोड़ दिया गया था। कटेहरी (अंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। इनमें से 8 सीटें लोकसभा चुनाव में अपने विधायकों के सांसद चुने जाने के बाद खाली हुई थीं, जबकि सीसामऊ सीट पर सपा विधायक इरफान सोलंकी की अयोग्यता के कारण उपचुनाव हो रहा है, जिन्हें एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराया गया था।

149 लोगों ने किया था नामांकन

दाखिल किए गए नामांकनों की कुल संख्या 149 थी, जिसमें मीरापुर (34), कुंदरकी (19), गाजियाबाद (19), खैर (6), करहल (10), सीसामऊ (11), फूलपुर (19), कटेहरी (14) और मझवां (17) शामिल हैं। जांच के बाद 95 नामांकन वैध पाए गए और नाम वापसी की अंतिम तिथि के बाद उपचुनाव वाली नौ सीटों से 90 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं।

साइकिल चुनाव चिन्ह पर उपचुनाव लड़ेंगी इंडिया गठबंधन

कांग्रेस ने घोषणा की थी कि वह नौ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी और सपा उम्मीदवारों या अन्य इंडिया गठबंधन के दलों की जीत सुनिश्चित करने के लिए बिना शर्त काम करेगी। कांग्रेस का यह बयान अखिलेश के उस बयान के एक दिन बाद आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि इंडिया गठबंधन के सभी उम्मीदवार पार्टी के चुनाव चिन्ह साइकिल पर उपचुनाव लड़ेंगे। वहीं उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा ने उन 9 विधानसभा सीटों में से आठ के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी, जहां 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे, जबकि एक सीट उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल के लिए छोड़ी गई है।

बीजेपी सरकार ने राजस्थान को रेगिस्तान बना दिया : टीकाराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलवर। राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा कि पिछले 11 महीने से सर्कस वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश के जनहित के मुद्दों को नजरअंदाज कर केवल समीक्षा में उलझी हुई है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की जनहितैषी योजनाओं का यह सरकार गला घोंटने का काम कर रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था बेपटरी हो गई है। राजस्थान का दम भरने वाली भाजपा की सरकार ने राजस्थान को रेपिस्तान बना दिया है। पिछले 11 महीने से जरूरतमंद राशन किट के लिए भटक रहा है। बुजुर्ग पेंशन के लिए पथरीली निगाहों से सरकार की ओर देख रहे हैं।

उप चुनाव से पहले चंद्रशेखर ने सीएम योगी आदित्यनाथ को घेरा

खुद समाज को हरिजन और गैर हरिजन में बांट रहे सीएम योगी

» कहा- क्या हरिजन शब्द के प्रयोग से उनका तथाकथित हिंदू खतरे में नहीं आता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने सीएम योगी पर जबर्दस्त हमला बोला है। चंद्रशेखर ने सीएम योगी के भाषण का एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा है कि बंटेंगे तो कटेंगे का नारा देने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद समाज को हरिजन और गैर हरिजन में बांट रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबी पोस्ट में चंद्र शेखर ने लिखा है, चुनावी रैलियों में बंटेंगे तो कटेंगे का नारा देने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी खुद सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक मंच पर समाज को हरिजन और गैर हरिजन में बांट रहे हैं। क्या इस हरिजन शब्द के प्रयोग से उनका तथाकथित हिंदू खतरे में नहीं आता? जबकि 1982 में केंद्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों के लिए एक एडवाइजरी जारी कर अनुसूचित जातियों के लिए हरिजन शब्द का इस्तेमाल न करने को कहा था। यहां तक कि माननीय न्यायालय द्वारा भी इसे अपमानजनक बताते हुए प्रतिबंध लगाया गया था।

खड़गे की कांग्रेस नेताओं को नसीहत

बजट के आधार पर करें वायदे

» बीजेपी ने पूछा- क्या ये राहुल को सिखाया?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों के साथ ही देश भर में 14 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों और दो राज्यों की दो लोकसभा सीटों पर भी उपचुनाव को लेकर इस दिनों देश की सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है। महाराष्ट्र में एक चरण चुनाव होना है। सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। यहां महायुति बनाम एमवीए का चुनाव है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। एक तरफ मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी ही पार्टी यानी कांग्रेस को नसीहत देते नजर आए।

वहीं, भाजपा ने इस पर पलटवार किया। दूसरी ओर, संजय राउत ने पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला को लेकर बड़ी बात कही।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया, मैंने कहा है कि उन्हें (महाराष्ट्र कांग्रेस) 5, 6, 10 या 20 गारंटी की घोषणा नहीं करनी चाहिए। बजट के आधार पर गारंटी की घोषणा की जानी चाहिए। अन्यथा, दिवालियापन होगा। अगर सड़कों के लिए पैसा नहीं है, तो हर कोई आपके खिलाफ हो जाएगा। अगर सरकार विफल होती है, तो आने वाली पीढ़ी के पास एक बुरे नाम के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

किसकी किस्मत बदलेगा शिअद का वोट बैंक?

पंजाब की चार विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को होगा चुनाव

शिअद के चुनाव न लड़ने से आप-कांग्रेस की बढ़ी परेशानी

» **प्रदेश में भाजपा और शिअद 25 साल तक गठबंधन में रहे हैं**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव इस बार रोमांचक रहेगा। 1992 से करीब 32 साल बाद शिअद उप चुनाव के मैदान से बाहर है। शिरोमणि अकाली दल के पंजाब में चार सीटों में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में लड़ाई के मैदान से हटने से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की चिंता बढ़ रही है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव में अकाली दल के प्रमुख सुखबीर बादल के भरोसेमंद हरजिंदर सिंह धामी चौथी बार प्रधान बने हैं। एसजीपीसी चुनाव को लेकर सभी सियासी गुणागणित धरे रह गए। अब देखना यह होगा कि पंथ की राजनीति करने वाले अकाली दल का वोट बैंक उप चुनाव में किस ओर झुकता है।

उपचुनाव के त्रिकोणीय मुकाबले में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) का वोट बैंक जहां किसी प्रत्याशी की किस्मत बदल सकता है, वहीं ये पूरी तरह से निर्णायक भी साबित होगा। सियासी सूरमों की मानें तो शिअद का वोट बैंक गठबंधन के अपने पुराने रिश्तों को देखते हुए भाजपा के प्रत्याशियों को मिल सकता है, क्योंकि प्रदेश में भाजपा और शिअद 25 साल तक गठबंधन में रहे हैं। इसलिए अनुमान लग रहा है कि शिरोमणि अकाली दल का वोट बैंक भाजपा के खाते में शिफ्ट हो सकता है। इसके पीछे कारण यह है कि शिअद और भाजपा का ढाई दशक तक गठजोड़ रहा है और दोनों दलों के नेता एक दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने भी चार सीटों में से तीन सीटों पर ऐसे उम्मीदवारों को उतारा जो किसी न किसी समय पर में शिरोमणि अकाली दल से जुडे रहे हैं।

भाजपा के तीन प्रत्याशी शिअद से और एक कांग्रेस से

भाजपा ने गिद्दड़बाहा से मनप्रीत सिंह बादल को मैदान में उतारा है। मनप्रीत बादल ने पहली बार शिअद की टिकट पहली बार 1995 मे गिद्दड़बाहा से चुनाव लड़ा था। इसके बाद वह तीन बार यहां से विधायक रहे। अकाली दल को छोड़े हुए मनप्रीत बादल को लंबा अरसा हो गया है, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल की सरकार में वित्तमंत्री रह चुके मनप्रीत का शिअद के नेताओ के साथ अच्छे संबंध हैं, बेशक मनप्रीत भाजपा में है, लेकिन सियासी घराने की जड़े शिअद से जुड़ी हैं। जिसका मनप्रीत को फायदा हो सकता है, क्योंकि तनखाइया घोषित किए जाने के कारण सुखबीर बादल यहां से मैदान में नहीं है। इसी तरह से डेरा बाबा नानक सीट से रवि किरण काहलों भी लंबे समय तक अकाली दल में रहे हैं। उनके पिता निर्मल सिंह काहलों पंजाब विधानसभा के स्पीकर और पूर्व मंत्री भी रहे हैं। रवि किरण के भाजपा के बड़े नेताओं के साथ भी सीधे संबंध रहे हैं। चब्बेवाल सीट पर चुनाव लड़ रहे भाजपा के सोहन सिंह ठंडल भीक अकाली दल में ही थे। वह भी अकाली सरकार में मंत्री रह चुके हैं। ऐसे में इन तीनों सीटों पर पूर्व अकाली नेताओं को शिअद के वोट बैंक का सहारा मिल सकता है। जबकि बरनाला से भाजपा ने पूर्व कांग्रेसी विधायक केवल ढिल्लों को मैदान में उतारा है, यहां ढिल्लों आप के सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर के दोस्त हरिंदर सिंह धालीवाल के सामने मैदान में हैं।

आप और कांग्रेस के लिए चुनौती

इस त्रिकोणीय मुकाबले के बीच आप और कांग्रेस के लिए शिअद का वोट बैंक जुटाना बड़ी चुनौती बन सकता है। प्रदेश सरकार और शिअद सुप्रीमो के बीच सियासी टकराव लंबे अरसे से चला आ रहा है। दूसरी ओर गठबंधन की सरकार में शिअद का मुकाबला हमेश कांग्रेस से रहा। ऐसे में आप और कांग्रेस के लिए शिअद के वोट बैंक में सेंधमारी करना पड़ी चुनौती होगी।

लोकसभा चुनाव में चारों विधानसभा हलकों में ये थे नतीजे

- गिद्दड़बाहा हलके में सबसे ज्यादा 20,310 वोट आप को, दूसरे नंबर पर कांग्रेस को 20273, तीसरे पर शिअद को 19,791 और चौथे पर भाजपा को 14,850 वोट पड़े।
- डेरा बाबा नानक में कांग्रेस को सबसे ज्यादा 48,198 वोट, दूसरे नंबर पर आप को 44,258, तीसरे पर शिअद को 17,099 और चौथे पर भाजपा को 5,981 वोट पड़े थे।
- बरनाला में आप को सबसे ज्यादा 37,674, दूसरे नंबर पर भाजपा को 19,218, तीसरे पर कांग्रेस को 15,176 और चौथे पर शिअद को 5,724 वोट पड़े थे।
- चब्बेवाल में सबसे ज्यादा आप को 44,933 वोट पड़े थे, दूसरे नंबर पर कांग्रेस को 18,162, तीसरे पर शिअद को 11,935 और चौथे पर भाजपा को 9,472 वोट पड़े थे।

तेलंगाना सरकार कराएगी जातिगत जनगणना

छह नवंबर से शुरू होगा सर्वे, लगेंगे 80 हजार कर्मचारी

» **गरीब लोगों के लिए बनाए जाएंगे 3500 घर**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार जातिगत और आर्थिक जनगणना कराएगी। यह जनगणना छह नवंबर से शुरू होगी। इसमें 80 हजार से अधिक कर्मचारी शामिल होंगे। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने बताया कि इस जनगणना के सामने आने वाले डाटा से राज्य के विकास में काफी मदद मिलेगी। जिला कलेक्टरों के साथ मंत्रियों की एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में विक्रमार्क ने अधिकारियों से सर्वे को पूरी गंभीरता से करने के लिए कहा। विक्रमार्क ने एक्स पर लिखा कि 6 नवंबर से शुरू होने वाला सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण नीतियों की जानकारी देगा और हाशिए पर रहने वाले समुदायों का उत्थान करेगा। कलेक्टर सर्वेक्षण में गणनाकारों के रूप में शिक्षकों की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं।

राज्य के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सर्वेक्षण के 30 नवंबर तक पूरा होने की संभावना है। यह कवायद राज्य के साथ-साथ पूरे देश में जाति सर्वेक्षण कराने की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रतिबद्धता के अनुरूप की जा रही है। इससे पहले तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग ने राज्य में जाति जनगणना करने की प्रक्रिया शुरू करते हुए सार्वजनिक सुनवाई के लिए अधिसूचना जारी की थी। आयोग के अध्यक्ष जी निरंजन ने बताया था कि जनगणना में लगभग 80000 गणनाकार और 10000 पर्यवेक्षक शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, डाटा जमा करने की अंतिम तिथि 9 दिसंबर है। जनगणना में नागरिकों की सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की जाएगी, साथ ही यह भी देखा जाएगा कि उन्हें राजनीतिक अवसर मिले हैं या नहीं। आयोग डाटा के आधार पर स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की सिफारिश करेगा। वहीं राजस्व मंत्री पी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया है कि 119 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक में सबसे गरीब लोगों के लिए 3500 घर बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारों के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में पीपीपी मॉडल के तहत 24000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से हैदराबाद मेट्रो रेल नेटवर्क को पांच मार्गों पर लगभग 76.4 किमी तक विस्तारित किया जाएगा।

जाति सर्वेक्षण 30 नवंबर तक होने की उम्मीद

तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित एक प्रस्ताव के अनुसार, राज्य कैबिनेट ने जाति सर्वेक्षण के लिए प्रारूप को मंजूरी दे दी है, जिसके 30 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। हर घर को कवर करते हुए वास्तविक गणना 4 या 5 नवंबर से शुरू होने की संभावना है। प्रभाकर ने कहा कि एकत्र किए गए सभी डेटा को सार्वजनिक डोमेन में रखा जाएगा।

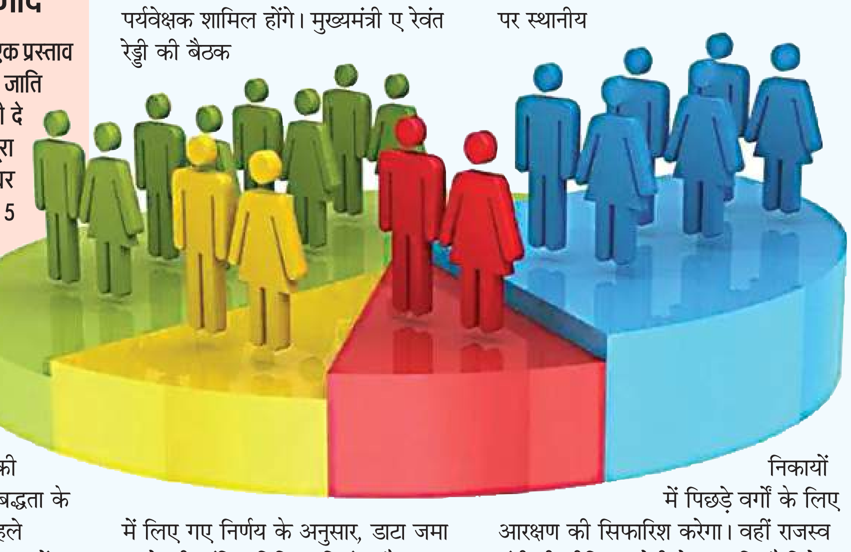

सड़क नेटवर्क सुधार पर 28000 करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद

कैबिनेट बैठक में पीपीपी मॉडल के तहत राज्य में सड़क नेटवर्क विकसित करने का भी निर्णय लिया गया। रेड्डी ने कहा, इसके लिए अन्य राज्यों में मॉडल का अध्ययन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति बनाई जाएगी। रेड्डी के अनुसार, अगले चार वर्षों में सड़क नेटवर्क सुधार पर 25000 करोड़ रुपये से 28000 करोड़ रुपये के बीच लागत आने की उम्मीद है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

साइबर क्राइम : लोगों को सतर्क रहने की जरूरत

> इस ऑनलाइन फरेब की दुनिया में हाल ही में नया शब्द जुड़ा है डिजिटल गिरफ्तारी। पहली नजर में विज्ञान कथा जैसा लगने वाला शब्द फिलहाल वास्तविक जीवन के लिये खतरा बनता हुआ नजर जा रहा है। ऐसे में सरकारी आंकड़े डराने वाले हैं कि इस साल की पहली तिमाही में नागरिकों से इस धोखाधड़ी के जरिये एक अरब बीस करोड़ की ऑनलाइन लूट हुई।

देश में साइबर क्राइम तेजी से बढ़ रहा है। अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जिसमें कॉल करने वाला खुद को CBI ऑफिसर बताता है, और आपको या आपके परिवार के सदस्य को किसी मामले में फंसाने की धमकी देता है। इस दौरान फर्जी पुलिस वाले ने उससे आधार कार्ड और अन्य डाक्यूमेंट्स की भी डिमांड करते हैं। वहीं इस ऑनलाइन फरेब की दुनिया में हाल ही में नया शब्द जुड़ा है डिजिटल गिरफ्तारी। पहली नजर में विज्ञान कथा जैसा लगने वाला शब्द फिलहाल वास्तविक जीवन के लिये खतरा बनता हुआ नजर जा रहा है। ऐसे में सरकारी आंकड़े डराने वाले हैं कि इस साल की पहली तिमाही में नागरिकों से इस धोखाधड़ी के जरिये एक अरब बीस करोड़ की ऑनलाइन लूट हुई। बीते रविवार को मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा इस संकट का जिक्र करने के बाद यह मुद्दा राष्ट्रीय विमर्श में आ गया।

उन्होंने देशवासियों से इस भय से मुक्त होने का आह्वान किया और कहा कि उन्हें इससे बचने के लिये सजगता का मंत्र अपनाना है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे घबराएं नहीं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसियां कभी व्हाट्स ऐप या स्काइप आदि माध्यमों के जरिये नागरिकों से संवाद नहीं करती हैं। ये एजेंसिया कभी भी पैसे की मांग नहीं करती हैं। वहीं तेजी से पनप रहे इस संकट से बचने के लिये उन्होंने मंत्र दिया कि रुको, सोचो और एक्शन लो। दरअसल, भयादोहन करके लोगों को लूटने वाले व्हाट्स ऐप आदि से कॉल करके डराते हैं कि वे पुलिस, सीबीआई, आरबीआई या नारकोटिक्स विभाग से बोल रहे हैं। ये शातिर अपराधी यह दावा करते हैं कि ठगे जाने वाले व्यक्ति के बारे में वे बहुत कुछ जानते हैं। भय व अज्ञान के कारण बहुत सारे भोले-भाले लोग उनके बिछाए जाल में फंसकर मोटी रकम चुका देते हैं। यह विडंबना ही है कि नागरिकों को डिजिटली सशक्त करने के लिए भारत सरकार के महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने सफलता तो पाई लेकिन लोगों को साइबर अपराधों के प्रति संवेदनशील भी बना दिया। आपको बता दें कि निस्संदेह, इससे बचने के लिये लोगों को सतर्क रहने की खास जरूरत है। खासकर उन बुजुर्गों को जो ऑनलाइन व्यवहार के प्रति ज्यादा जागरूक नहीं हैं। हालांकि, साइबर अपराधी नित नये धोखाधड़ी के हथकंडे अपना रहे हैं, लेकिन फिर भी जागरूकता बेहद जरूरी है। यदि अपराधी भयाक्रांत करते हैं तो घबराना नहीं चाहिए। किसी अपराधी को पैसे ट्रांसफर करने से पहले, इस बारे में परिवार के लोगों, मित्रों व पुलिस को सूचित करना चाहिए। लोगों को अपराधियों के संदेश का स्क्रीन शॉट लेना चाहिए, फोन कॉल रिकॉर्ड आदि सबूत सुरक्षित रखने चाहिए। साथ ही साइबर हेल्पलाइन 1930 पर डायल करें व स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दलबदल की राजनीति को खारिज करने का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

महाराष्ट्र में चुनाव-प्रचार अब जोरों पर है। अपनी-अपनी जीत का दावा तो सब कर रहे हैं, पर मतदाता जितायेगा किसे, यह अभी भविष्य के गर्भ में ही है। चुनाव परिणाम को लेकर दावे और प्रतिदावे तो अब भी हो रहे हैं, पर 'चुनावों के पंडित' कहलाने वाले चुनाव परिणाम के बारे में इस बार कुछ ठोस कहने में स्वयं को असमर्थ पा रहे हैं। कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस, ये चार दल मुख्यत: हुआ करते थे पहले मैदान में, इस बार इन दलों की संख्या छह है- शिवसेना और राष्ट्रवादी दोनों इस बार बंटे हुए हैं। अब मैदान में दो शिवसेना हैं और दो राष्ट्रवादी। यह स्थिति बड़ा कारण है चुनाव परिणाम को लेकर फैल रहे असमंजस का। सवाल सिर्फ पार्टियों के बंटने का नहीं है, व्यक्तियों का बंटना ज्यादा घाल-मेल करने वाला है। यूं तो हर दल यह दावा करता है कि उसके पास अपनी नीतियां हैं, अपनी विचारधारा है, 'जनता की सेवा' करने का अपना तरीका है, पर देश में चुनाव-दर-चुनाव यह बात लगातार स्पष्ट होती रही है कि हमारे राजनीतिक दलों का उद्देश्य सत्ता के लिए राजनीति करना ही रह गया है।

नीतियों और सिद्धांतों की बात तो सब करते हैं पर निगाह सबकी 'कुर्सी' पर ही टिकी रहती है। सत्ता पाने के लिए हमारे राजनेता कुछ भी करने-कहने के लिए तैयार दिखते हैं। वैसे सिद्धांतों की राजनीति का नकार कोई नयी बात नहीं है। दशकों पहले हरियाणा में 'आया राम, गया राम' की राजनीति शुरू हुई थी। एक तरह की राजनीतिक अराजकता-सी फैलती गयी उसके बाद। ऐसा नहीं है कि इस दल बदलू राजनीति के खतरों से देश अनभिज्ञ था। कोशिशें भी हुईं इस स्थिति से उबरने की। राजनीति में नैतिकता के स्थान को लेकर विमर्श भी होते रहे, कानून भी बने, पर सत्ता की दौड़ में राजनीतिक शुचिता के लिए स्थान लगातार कम होता गया। युद्ध और प्यार में सब कुछ जायज है की तर्ज पर राजनीति में भी सब कुछ जायज मान लिया गया है। इसी का परिणाम है कि आज की राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान नहीं बचा।

चुनावों के दौरान, और चुनावों के लिए मची आपाधापी में हम इस पतन के उदाहरण लगातार देख रहे हैं। यह अपने आप में कम पीड़ा की बात नहीं है, पर मतदाता की असहायता देख कर पीड़ा और बढ़ जाती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश के मतदाता ने समय-समय पर अपनी जागरूकता और ताकत का परिचय और परिणाम भी दिया है।

आपातकाल घोषित करने वाली सरकार को देश के मतदाता ने जिस तरह से नकारा था, वह उसकी ताकत का प्रमाण है, उसकी जागरूकता का स्पष्ट उदाहरण है। राज्यों के चुनाव में भी ऐसे उदाहरण मिल जाते हैं। लेकिन, भ्रष्ट, दलबदलू सिद्धांतहीन राजनीति को नकारने का जो परिणाम होना चाहिए, वह अक्सर नहीं दिखाई देता। यह पीड़ा की बात है, और चिंता की भी। यह चिंता राजनेता नहीं करेंगे। उनका स्वार्थ इस स्थिति के बने रहने में है। स्थिति को बदलने की आवश्यकता तो मतदाता को है। वह इस आवश्यकता को समझते हुए भी अक्सर न समझने की मुद्रा अपना लेता है। टिकटों के बंटवारे को लेकर आज महाराष्ट्र में जिस तरह की स्थिति दिखी है, वह अपने आप में कोई नयी स्थिति नहीं है। बहुत देखा है इस स्थिति को मतदाता ने। देखा ही नहीं, सहा है, कहा जाना चाहिए। पर क्यों सहे मतदाता इस स्थिति को? बड़ी बेशर्मी के साथ हमारे राजनेता अपना पाला बदल लेते हैं। शरद पवार ने टिकट नहीं दिया तो अजित पवार के पाले में चले जाएंगे; उद्धव ठाकरे की पार्टी से चुनाव लड़ने का टिकट नहीं मिला तो शिंदे की पार्टी दे देगी; भाजपा के नेतृत्व ने किसी की उम्मीदवारी का दावा स्वीकार नहीं किया तो कांग्रेस का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। किसी को कांग्रेस नकारती है तो भाजपा बांहें फैला कर उसका स्वागत कर लेगी। महाराष्ट्र का यह सच देश के बाकी राज्यों का सच भी है। इस सच का निहितार्थ सत्ता के लालच के संदर्भ में ही समझा जा सकता है। सत्ता के लिए कुछ भी किया जा सकता है, किया जा रहा है। लेकिन सत्ता के लिए विचारधारा की जिस तरह आज बलि दी जा रही है, वह जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की धज्जियां उड़ाना ही है। आजादी प्राप्त करने के कुछ अर्सा बाद तक स्थिति ऐसी या इतनी बुरी नहीं थी।

हमारे पास ऐसे नेता थे जो नीतियों और मूल्यों की राजनीति में विश्वास करते थे। तब एक सीमा तक हमारी राजनीति तीन हिस्सों में बंटी हुई थी- वामपंथी, दक्षिणपंथी और मध्यमार्गी। तब हमारा मतदाता इतना शिक्षित नहीं था, जितना आज है। पर राजनीति के इस विभाजन को वह समझता था। तब हमारे नेताओं को अपनी छवि की, शायद, ज्यादा चिंता थी। आज स्थिति बदल गयी है। नेता भले ही यह कहता रहे कि 'यह पब्लिक है सब जानती है' पर मानता वह यही है कि पब्लिक को बरगलाया जा सकता है। इसीलिए जब चाहे कोई 'आयाराम गयाराम' बन जाता है और सब जानने का दावा करने वाली पब्लिक यह खेल देखकर हंसती रह जाती है।

सैटेलाइट बेस्ड सर्विलांस से पूरे देश को सुरक्षा कवच

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों अंतरिक्ष से भारत की निगरानी प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए, सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने अंतरिक्ष आधारित निगरानी के तीसरे चरण को मंजूरी दे दी है। इसके तहत पृथ्वी की निचली और भूस्थिर कक्षाओं में जासूसी उपग्रहों का एक बड़ा समूह लॉन्च किया जाएगा। प्रस्ताव में निगरानी के लिए लो अर्थ ऑर्बिट और भूस्थैतिक कक्षा में 52 उपग्रहों का प्रक्षेपण शामिल है। कुल 26,968 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत इसरो की ओर से 21 उपग्रहों का निर्माण व प्रक्षेपण होगा। बाकी 31 सैटेलाइट्स की जिम्मेदारी निजी कंपनियों के पास होगी। अंतरिक्ष आधारित निगरानी (सैटेलाइट बेस्ड सर्विलांस यानी एसबीएस) 1 की शुरुआत साल 2001 में वाजपेयी सरकार के कार्यकाल में हुई थी। इसमें निगरानी के लिए 4 उपग्रहों (कार्टोसैट 2ए, कार्टोसैट 2बी, इरोस बी और रिसैट 2) का प्रक्षेपण शामिल था।

एसबीएस 2 के तहत साल 2013 में 6 उपग्रहों (कार्टोसैट 2सी, कार्टोसैट 2डी, कार्टोसैट 3ए, कार्टोसैट 3बी, माइक्रोसैट 1 और रिसैट 2ए) का लॉन्च शामिल था। ऐसे समय में जब देश पाकिस्तान के साथ पश्चिमी सीमा, चीन के साथ उत्तरी सीमा पर सुरक्षा चिंताओं और हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी जासूसी जहाजों और पनडुब्बियों द्वारा बढ़ती समुद्री निगरानी का सामना कर रहा है, एसबीएस 3 के तहत अगले पांच साल में 52 उपग्रह लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। जो भारत में 'आसमान से नजर रखने वाली आंखों' की संख्या में वृद्धि करेंगे, जिससे भारत की भूमि और समुद्री सीमाओं की अंतरिक्ष-आधारित निगरानी प्रणाली को बल मिलेगा। तीनों सर्विसेज के पास अपने भूमि, समुद्र या वायु-आधारित मिशनों के लिए उपग्रह होंगे। उपग्रह मौसम या वायुमंडलीय स्थितियों से अप्रभावित होकर लगातार कार्य करेंगे, जिससे अंतरिक्ष में स्थितियों व वस्तुओं की निरंतर निगरानी होगी। नए उपग्रह अंतरिक्ष में उपग्रहों का अधिक सटीक रूप से पता लगाने और उन पर नजर रखने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करेंगे।

सैटेलाइट का नया बेड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित होगा, जो पृथ्वी पर 'भू-खुफिया' जानकारी एकत्र करने के लिए अंतरिक्ष में एक-दूसरे के साथ संपर्क में रहेगा। इससे हमारे उपग्रहों के बीच संचार होगा, ताकि अगर कोई उपग्रह 36,000 किमी की ऊंचाई पर जिओ (जियोसिंक्रोनस इक्वेटोरियल ऑर्बिट) में कुछ पता लगाता है, तो वह निचली कक्षा (400-600 किमी की ऊंचाई पर) में दूसरे उपग्रह से अधिक सावधानी से जांच करने और फिर हमें अधिक जानकारी देने के लिए कह सकता है। यह क्षमता निगरानी तंत्र को बहुत विशिष्ट बनाती है। वर्तमान में भारत में संचार सेवाओं के लिये 200 से अधिक ट्रांसपोंडरों का उपयोग हो रहा है। इन उपग्रहों के माध्यम से भारत में दूरसंचार, टेलीमेडिसिन, टेलीविजन, ब्रॉडबैंड, रेडियो, आपदा प्रबंधन, खोज और बचाव अभियान जैसी सेवाएं प्रदान कर पाना संभव हुआ है। फिलहाल भारत का ध्यान उन क्षमताओं को हासिल करने पर है जो इंडो-पैसिफिक में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगा सकें।

साथ ही, सीमा से लगे जमीनी और समुद्री इलाकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण को ट्रैक कर सकें। एसबीएस-3 मिशन को अमेरिका स्थित जनरल एटॉमिक्स से 31 प्रीडेटर ड्रोन के भारतीय अधिग्रहण में मदद मिलेगी। इस प्लेटफॉर्म में वेपन पैकेज के अलावा बहुत शक्तिशाली निगरानी क्षमताएं हैं। भारत ने 29 मार्च, 2019 को टेस्ट फायरिंग के जरिए अपनी एंटी-सैटेलाइट क्षमताओं का परीक्षण किया, जब भारतीय मिसाइल ने कक्षा में जीवित उपग्रह को नष्ट कर दिया था। वर्तमान में वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग का आकार 350 बिलियन डॉलर है। इसके वर्ष 2025 तक बढ़कर 550 बिलियन डॉलर होने की संभावना है। इस प्रकार अंतरिक्ष एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में विकसित हो रहा है। इसरो ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं किंतु भारत का अंतरिक्ष उद्योग 7 बिलियन डॉलर के आसपास है, जो वैश्विक बाजार का केवल 2 प्रतिशत ही है। भारत के अंतरिक्ष उद्योग के इस आकार में ब्रॉडबैंड तथा डीटीएच सेवाओं का हिस्सा करीब दो-तिहाई है। हाल के नीतिगत सुधारों के बावजूद, भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में अभी भी सरकारी संस्थाओं का ही प्रभुत्व बना हुआ है। हालांकि स्काईरूट एयरोस्पेस और अग्निकुल कॉसमॉस जैसे स्टार्टअप ने प्रगति की है, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में शैक्षिक संस्थानों, उद्योग और सरकारी एजेंसियों के बीच तालमेल अभी भी अपर्याप्त है। यद्यपि विश्वविद्यालयों के साथ इसरो की संलग्नता बढ़ी है, फिर भी इसका दायरा एवं पैमाना अभी सीमित ही है। निजी भागीदारी को तेजी से बढ़ाने के लिये एक अंतरिक्ष क्षेत्र रूपांतरण कार्यक्रम क्रियान्वित किया जाना चाहिए। अंतरिक्ष से संबंधित लाइसेंसिंग और अनुमोदन के लिये एक वन-स्टॉप-शॉप की स्थापना की जाए। निवेश आकर्षित करने के लिये कर प्रोत्साहन और सरलीकृत विनियमनों के साथ अंतरिक्ष उद्यम क्षेत्रों का सृजन किया जाए। इसरो की सुविधाओं और विशेषज्ञता को निजी संस्थाओं के साथ साझा करने के लिये एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल का विकास किया जाना चाहिए। बहरहाल, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हालिया वर्षों में ऐसी कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसने अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी कहे जाने वाले अमेरिका और रूस जैसे देशों को भी चौंकाया है। कुल मिलाकर सैटेलाइट बेस्ड सर्विलांस से सशस्त्र बलों की प्रत्येक शाखा के पास अपने विशिष्ट संचालन के लिए समर्पित उपग्रह होंगे।

साग-सब्जी में भरपूर मात्रा में होता है प्रोटीन-कैल्शियम

नट्स और ड्राई फ्रूट्स

अपने खाने में कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर नट्स एंड ड्राई फ्रूट्स शामिल करें। मूंगफली, बादाम, काजू, अखरोट और पिस्ता जैसे नट्स का अधिक सेवन करें। इनकी एक सर्विंग (1 औंस) में लगभग 160 हाई क्वालिटी वाली कैलोरी होती है। यह प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट का बढ़िया स्रोत हैं।

क्रूसिफेरस सब्जियां और चिया सीड्स

क्रूसिफेरस सब्जियां खाने से आपको सही मात्रा में प्रोटीन मिल सकता है, खासकर ब्रोकोली खाने से आपको ज्यादा प्रोटीन मिलेगा। दो कप कच्ची ब्रोकोली में 5 ग्राम प्रोटीन होता है। आप इसे सलाद में शामिल करें या शाम को नाश्ते के रूप में खाएं। इनके अलावा हेल्दी फैट और ओमेगा 3 से भरपूर चिया सीड्स प्रोटीन और कैल्शियम का बढ़िया स्रोत हैं।

पत्तेदार साग और मटर की सब्जी

मटर, पालक, केल, ब्रोकोली सबसे अधिक प्रोटीन वाली सब्जियां हैं। केल, सरसों का साग, पालक, और इसी तरह की अन्य चीजें आपके प्रोटीन सेवन को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। दो कप केल में लगभग 4 ग्राम प्रोटीन होता है, सरसों के साग की समान मात्रा से 3 ग्राम और पालक से 2 ग्राम प्रोटीन मिलता है। अपने सुबह की स्मूदीज में में हरी पत्तेदार सब्जियाँ शामिल करें, दोपहर के भोजन में सलाद खाएं।

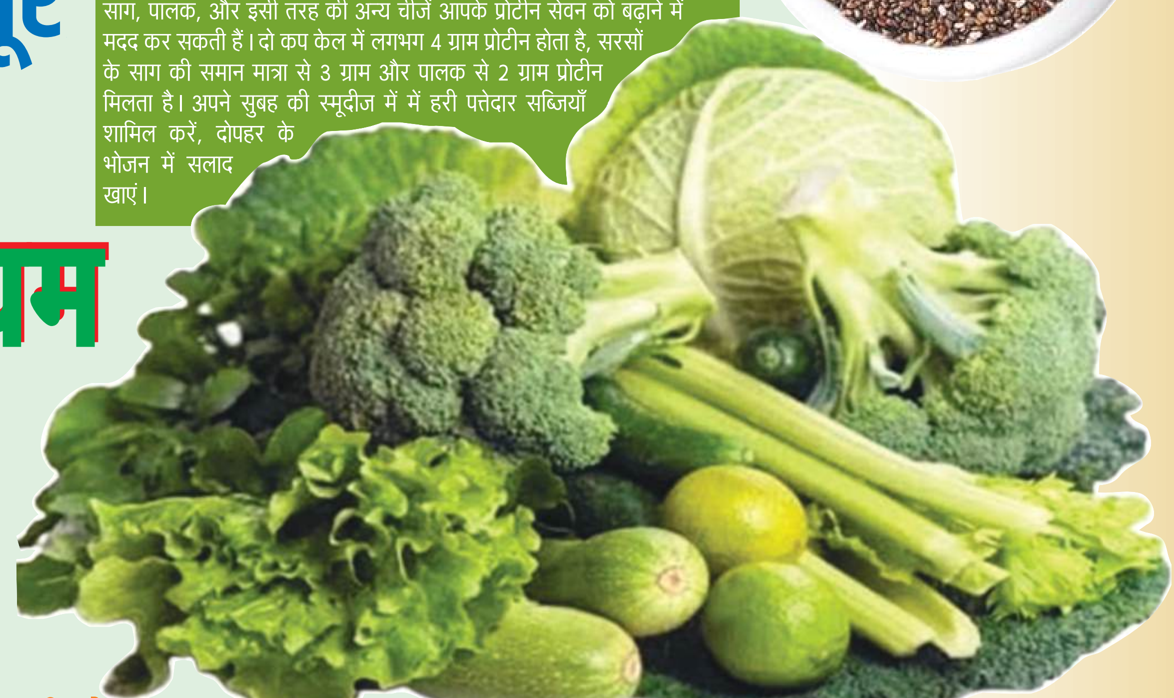

क्या आप बहुत ज्यादा दुबले-पतले हैं, तो वजन बढ़ाने के लिए अगर आप सोचते है कि चिकन, मटन और अंडे जैसी सिर्फ नॉन-वेज चीजों को खाने से मांसपेशियों में जान आती है और वजन बढ़ता है, तो आप गलत हैं। वास्तव में कुछ ऐसे वेज फूड्स भी हैं, जो शरीर को ताकतवर और ढांचे को मजबूत बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इससे वजन बढ़ता है।

नॉन-डेयरी प्रोडक्ट्स

केवल एक कप कैल्शियम-फोर्टिफाइड भांग के दूध में लगभग 3 ग्राम प्रोटीन और आपकी रोजाना की कैल्शियम की जरूरत का 30 प्रतिशत पूरा करता है। अधिक प्रोटीन के लिए सोया दूध पियें। एक कप में 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

बीन्स

अगर आप नॉन वेज नहीं खाते हैं, तो आप प्लांट बेस्ड प्रोटीन वाले फूड्स का सेवन बढ़ा सकते हैं। ध्यान रहे कि कुछ फलियों में मांस के बाद सबसे ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है। इसके लिए आप ब्लैक, पिंटो, नेवी, किडनी बीन्स खा सकते हैं। सभी में औसतन लगभग 15 ग्राम प्रोटीन होता है। इसके अलावा बीन्स में फैट और फाइबर भी होते हैं।

दाल और छोले

मोटा और ताकतवर होने के लिए आपको दाल, मटर, चना, सोयाबीन आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें कम फैट होता है और कोई कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है। वेजिटेरियन लोगों के लिए यह प्रोटीन के सबसे बड़े स्रोतों में से हैं। पकी हुई दाल में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है।

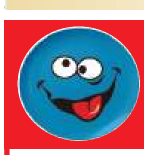

हंसना मना है

रामू- यार जब तुम्हें गर्मी लगती है तो क्या करते हो। ढोलू- तब हम एसी के सामने बैंठ जाते हैं। रामू- और जब बहुत ज्यादा गर्मी हो तो क्या करते हो? ढोलू- जब ज्यादा गर्मी पड़ती हैं तो फिर एसी को ऑन कर देते हैं।

एक लड़का अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने गया। कुछ बातचीत के बाद लड़की चाय बनाने गई। लड़की का फोन सोफे पर था, लड़के ने सोचा देखता हूं फोन में मेरा नंबर किस नाम से सेव है स्वीटू या जानु? लड़के ने अपने फोन से मिस कॉल दिया, लड़की फोन पर उसका नाम लिखा आया मुर्गा न. 5..

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खडी थी। एक नौजवान बोला- चांद तो रात में निकलता हैं, आज दिन में कैसे निकल आया? लडकी बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा हैं।

भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो सेठ जी, सेठ - अभी खुल्ले नहीं हैं...कल ले लेना..! भिखारी - हमारे धंधे में उधार नहीं चलता सेठ जी, अभी दे दो...!!!

लड़की - ये क्या कर रहे हो? लड़की - दही जमा रहा हूं...लड़की - कब तक जमाओगे? लड़का - अगर तुम मिल जाओ, जमाना छोड़ देंगे हम...!!!

कहानी | हाथी और बकरी

एक जंगल में एक हाथी और एक बकरी रहते थे। दोनों पक्के दोस्त थे। दोनों साथ में मिलकर हर दिन खाने की तलाश करते और साथ में ही खाते थे। एक दिन खाने की तलाश में जंगल से बहुत दूर निकल गए। वहां उन्हें एक तालाब दिखाई दिया। उसी तालाब के किनारे एक बेर का पेड़ था। बेर का पेड़ देखकर हाथी और बकरी बहुत खुश हुए। वह दोनों बेर के पेड़ के पास गए, फिर हाथी ने अपनी सूंड से बेर के पेड़ को जोर से हिलाया और जमीन पर पके हुए बेर गिरने लगे। बकरी जल्दी-जल्दी बेरों को इक्ट्ठा करने लगी। संयोगवश उसी बेर के पेड़ पर एक चिड़िया का घोंसला भी था, जिसमें चिड़िया का एक बच्चा सो रहा था और चिड़िया दाने की खोज में कहीं गई हुई थी। बेर का पेड़ जोर से हिलाने के कारण चिड़िया का बच्चा घोंसले से बाहर तालाब में गिर पड़ा और डूबने लगा। चिड़िया के बच्चे को डूबता देख बकरी तालाब में कूद गई, लेकिन बकरी को तैरना नहीं आता था। इस वजह से वह भी तालाब में डूबने लगी। बकरी को डूबता देख हाथी भी तालाब में कूद गया और उसने चिड़िया के बच्चे और बकरी, दोनों को डूबने से बचा लिया। इतने में चिड़िया भी वहां पर आ गई और वह अपने बच्चे को सही-सलामत देखकर बहुत खुश हुई। उसने हाथी और बकरी को इसी तालाब और बेर के पेड़ के पास रहने के लिए कहा। तब से हाथी और बकरी भी चिड़िया के साथ उस बेर के पेड़ के नीचे रहने लगे। कुछ ही दिनों में चिड़िया का बच्चा बड़ा हो गया। चिड़िया अपने बच्चे के साथ जंगल में घूम कर आती थी और हाथी और बकरी को जंगल में किस पेड़ पर फल लगे हैं, इसकी जानकारी देती थी। इस तरह हाथी, बकरी, और चिड़िया मजे में रहते और खाते-पीते थे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

वृषभ विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

कर्क आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

सिंह बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। किसी योजना का तत्काल लाभ नहीं होगा। धन के निवेश में जल्दबाजी न करें।

धनु अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। प्रमाद न करें।

मकर स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। आय बनी रहेगी।

कुम्भ कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी मां दुलारी को श्रद्धांजलि है आगामी फिल्म विजय 69

अनुपम खेर अपने बहुमुखी अभिनय के लिए जाने जाते हैं। इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म विजय 69 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म की कहानी एक 69 वर्षीय व्यक्ति की है, जो जीवन में असंभव को संभव बनाने का सपना देखता है। अनुपम खेर का कहना है कि विजय 69 मेरी मां दुलारी के प्रति मेरा श्रद्धांजलि है। उनके जीवन के प्रति जोश और हर पल को पूरी तरह जीने का जज्बा आज भी मुझे प्रेरित करता है। जो कुछ भी मैं हूँ, वह उनकी देन है। उन्होंने अपनी मां की सीख को याद करते हुए अनुपम खेर ने लिखा, जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तो सबसे पहले उनकी याद आई। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित था। हर दिन सेट पर उनकी सीखें मेरे साथ रहीं—कभी हार मत मानो, खुद पर भरोसा रखो, और हर परिस्थिति में आगे बढ़ते रहो। आगे अनुपम खेर ने लिखा, यह फिल्म मेरी मां और उनके जैसे अनगिनत नायकों को समर्पित है, जो अपने संघर्षों के साथ हर दिन लड़ते हैं। मेरी सफलता का पूरा श्रेय मैं उन्हें देता हूं। विजय 69 का प्रीमियर 8 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर होगा, जिसमें अनुपम खेर ने अपनी मां के प्रति अपने प्यार और सम्मान को खूबसूरती से परदे पर पेश किया है। भारतीय सिनेमा में चार दशक में करीब 600 से ज्यादा फिल्में कर चुके अनुपम खेर की नई फिल्म विजय 69 को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। फिल्म में उनके साथ चंकी पांडे भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। विजय 69 की कहानी अक्षय रॉय ने लिखी और साथ ही इसका निर्देशन भी किया है। यह फिल्म सीधे OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर इसी महीने 8 नवंबर को रिलीज होगी।

'स्त्री 2' के बाद अब होगा असली खूनी खेल!

फिल्म 'थामा' में नजर आएगी आयुष्मान-रश्मिका की जोड़ी

इस साल स्त्री 2 की ब्लॉकबस्टर कामयाबी के बाद फिल्ममेकर दिनेश विजन अपने हॉरर यूनिवर्स को और भी ग्रैंड बनाने जा रहे हैं। विजन ने अपने यूनिवर्स का नया प्रोजेक्ट अनाउंस कर दिया है और अब वो एक वैम्पायर लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं जिसका नाम है थामा।

पिछले कुछ समय से खबर थी कि आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना अब हॉरर यूनिवर्स की एक फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं। इस फिल्म का टाइटल वैम्पायर्स ऑफ विजयनगर बताया जा रहा था। लेकिन लेटेस्ट अनाउंसमेंट से साफ है कि खबर तो सही है, मगर प्रोजेक्ट का टाइटल बदल दिया गया है।

मेकर्स ने थामा की अनाउंसमेंट एक खूबसूरत से गाने के साथ की है। फिल्म के टाइटल कार्ड के साथ अमिताभ भट्टाचार्य के खूबसूरत लिरिक्स वाला ये गाना सुनाई देता है। गाने के बीच लिखा आता है, इस यूनिवर्स को एक लव स्टोरी की जरूरत थी। इसके तुरंत बाद गाने के साथ वैम्पायर्स के चीखने की आवाजें आने लगती हैं और स्क्रीन पर लिखा आता है, बदकिस्मती से, ये बहुत खूनी लव स्टोरी है।

वीडियो में फिल्म की मेन कास्ट भी रिवील की गई है, जिसमें आयुष्मान और रश्मिका के साथ-साथ परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी का भी नाम है। बाकी सपोर्टिंग कास्ट का नाम या फिल्म से जुड़ी कोई और डिटेल इसके साथ नहीं शेयर की गई है। थामा को आदित्य सरपोतदार डायरेक्ट करेंगे, जिनकी फिल्म मुंज्या इस साल एक तगड़ी सरप्राइज हिट साबित हुई।

मेकर्स ने रिलीज डेट भी की बुक थामा की अनाउंसमेंट के साथ मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट भी शिड्यूल कर दी है। वीडियो में ये भी अनाउंस किया गया है कि आयुष्मान और रश्मिका की फिल्म दिवाली 2025 में रिलीज होगी। अगले साल के लिए वैसे तो बॉलीवुड के कई ब? प्रोजेक्ट्स शिड्यूल हैं, मगर दिवाली अभी तक खाली थी। हालांकि, दिवाली का रिकॉर्ड देखते हुए ये भी हो सकता है कि जल्द ही कोई दूसरी फिल्म भी थामा से टक्कर लेने के लिए दिवाली की रिलीज डेट पर ही शिड्यूल हो जाए। स्त्री, मुंज्या और भेड़िया जैसी जबरदस्त हॉरर कॉमेडी कहानियों से धमाल मचा रहे हॉरर यूनिवर्स में अब वैम्पायर्स का आना और भी मजेदार होने वाला है। ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि इतने सारे भयानक एलिमेंट्स वाला ये यूनिवर्स और क्या तगड़ा कमाल करता है।

अजय देवगन की फिल्म 'आजाद' का पहला पोस्टर जारी

आखिरकार, इंतज़ार खत्म हुआ क्योंकि निर्माताओं ने अजय देवगन की आगामी फिल्म के नाम की घोषणा कर दी है। आज़ाद नाम की इस फिल्म में अजय देवगन के साथ उनके भतीजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी भी डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में अमन देवगन और राशा थडानी को बड़े पर्दे पर पेश किया गया है, जिसमें अजय देवगन प्रमुख भूमिका में हैं।

अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आज़ाद का पहला पोस्टर जारी किया, जिसमें राशा थडानी और अमन देवगन नज़र आ रहे हैं। पोस्टर में घोड़े पर सवार एक व्यक्ति का आकर्षक सीन भी दिखाया गया है। कैप्शन में लिखा है, कहानी यारी की। कहानी वफ़ादारी की। कहानी #आज़ाद की! आज़ाद का टीज़र इस दिवाली पर विशेष रूप से सिनेमाघरों में प्रीमियर हो रहा है। जनवरी 2025 में सिनेमाघरों में आने वाला एक बड़ा स्क्रीन एडवेंचर!

इस रोमांचक नए प्रोजेक्ट का टीज़र दिवाली रिलीज़ के साथ सिनेमाघरों में सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 के साथ देखा जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक कपूर ने किया है, जिन्हें काई पो चे, केदारनाथ, रॉक ऑन और चंडीगढ़ करे आशिकी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

अजब-गजब | तेलंगाना के इस इलाके में दीवाली मनाने की है अजीब परंपरा

श्मशान घाट में मनाते हैं दीवाली, कब्र पर जलाते हैं दिये...60 सालों से चली आ रही प्रथा

दीवाली एक जीवंत उत्सव है, जो हर जगह लोगों द्वारा मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान, भक्त देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा करते हैं। घरों को दीपों और इलेक्ट्रिक लाइट्स से सजाया जाता है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है और सभी के जीवन में खुशियाँ लाता है। दीप जलाना और पटाखे फोड़ना कई लोगों के लिए एक प्रिय परंपरा बन गई है।

हालांकि, करीमनगर जिले में दीवाली का दृष्टिकोण काफी अलग है। पिछले 60 सालों से, इस समुदाय ने एक अनोखी परंपरा का पालन किया है। वे दीवाली का जश्न श्मशान में मनाते हैं। परिवार अपने प्रियजनों की कब्रों पर दीप जलाकर अपने पूर्वजों को सम्मान देते हैं, जो कि करीमनगर, तेलंगाना में जारी है। करजना गड्डा के हिंदू श्मशान में, एक विशेष सामाजिक समूह के परिवार हर साल अपने मृतक रिश्तेदारों की याद में एकत्र होते हैं।

त्योहार से एक सप्ताह पहले, परिवार कब्रों की सफाई और रंगाई करते हैं। दीवाली के दिन, वे कब्रों को फूलों से सजाने के लिए एकत्र होते हैं और शाम वहां बिताते हैं। वे अपने बुजुर्गों को याद करते हैं, उनके लिए भेंट चढ़ाते हैं, मोमबत्तियाँ जलाते हैं और उनकी पसंदीदा खाद्य वस्तुएँ कब्रों पर रखते हैं। परिवार आधी रात तक अनुष्ठान और प्रार्थनाएँ भी करते हैं।

जब पूरे देश में लोग घरों और सार्वजनिक स्थानों पर दीवाली मनाते हैं, यहाँ करीमनगर में, ध्यान श्मशान पर केंद्रित होता है। समुदाय का मानना है कि इस विशेष दिन अपने प्रियजनों का सम्मान करने से उनकी आत्माओं को शांति मिलती है। हालांकि यह अनोखा प्रतीत हो सकता है, फिर भी कई लोग उन लोगों की यादों को मनाने में खुशी पाते हैं जो अब हमारे बीच नहीं हैं।

जब पालतू तोते ने पकड़वाया मालकिन के कातिल को, आंखों से देखा था हत्याकांड

तोता बहुत ही समझदार और प्यारा पक्षी है। इसी वजह से कई लोग अपने घर में तोता पालते हैं। आपने तोतों के बारे में बहुत से किस्से सुने होंगे। कई तोते इंसानों की तरह बोलते हैं तो कुछ अतरंगी हरकते करते हैं। लेकिन क्या कभी आपने सुना है कि किसी तोते ने हत्यारों को पकड़ाया हो। जी हां ऐसा हो चुका है। आगरा में एक ऐसा केस सामने आया था, जिसमें पालतू तोते ने अपनी मालकिन के मर्डर का राज खोला था और हत्यारे को पकड़वाया था। घटना वर्ष 2014 की है। दरअसल, 20 फरवरी को आगरा में स्वराजय टाइम्स के संपादक की पत्नी की हत्या कर दी गई थी। पुलिस के लिए ये हत्याकांड चुनौती बनता जा रहा था। लेकिन घर के पालतू तोते ने मर्डर का राज खोल दिया था, जिसने अपनी मालिकन की हत्या को आंखों से देखा था। दरअसल, आगरा के बल्केश्वर के सेंट्र एंड्रूज कॉलेज कैंपस में रहने वाले स्वराज टाइम्स के संपादक रहे विजय शर्मा के घर 20 फरवरी 2014 की रात लूटपाट के दौरान उनकी पत्नी नीलम शर्मा की हत्या कर दी गई थी। हत्यारे ने पालतू कुत्ते को भी चाकुओं से गोद दिया था। ऐसे में घटना से पता चल रहा था कि इस हत्याकांड को किसी नजदीकी ने अंजाम दिया है। हालांकि इस हत्याकांड में पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल रहा था। ऐसे में समझ नहीं आ रहा था कि हत्यारे कौन है कैसे पता लगाया जाए। इस पर पीड़ित परिवार ने जिन लोगों पर शक था, उनका नाम लेते हुए पालतू तोते से हत्यारे के बारे में पूछा। हत्या के समय तोता वहीं पर था। इनमें से एक नाम बोलने पर तोता जोर जोर से चीखने लगा। जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। उस तोते का नाम हीरा था। परिजनों ने हीरा के सामने छह नाम लिए। इनमें से अन्य सभी के लिए तोते ने ना में सिर हिला दिया। मगर, आशुतोष का नाम आते ही वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा। ऐसा कई बार होने पर परिजनों ने पुलिस को आशुतोष के बारे में बताया। कॉल डिटेल से भी पुलिस का शक उस पर जा रहा था। पुलिस उसे थाने लेकर आई तो आशुतोष ने गुनाह कुबूल कर लिया। हत्याकांड का आरोपी भांजा आशुतोष था। नीलम शर्मा को पालतू जानवर रखने का शौक था। उन्होंने एक तोता पाला था, जिसका नाम हीरा रखा था। नीलम उस तोते हीरा को बच्चों की तरह लाड़-प्यार करती थीं। कई घर बदले, मगर हीरा घर के अहम सदस्य के रूप में हमेशा साथ रहा। इसीलिए वह भी हमेशा उनके करीब ही रहता था। खाना खाते समय वह कंधे पर बैठकर उनके मुंह से खाना तक निकाल लेता था। नीलम की हत्या के समय वह कमरे में ही था और चश्मदीद पक्षी की आंखों में पूरी वारदात का सीन था। पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद आशुतोष और उसके साथी ने तोते हीरा के पिंजरे के ऊपर शॉल डाल दिया था।

चुनावी वादों को लेकर खड़गे का पीएम से सवाल, बोले-

विकसित भारत का क्या हुआ

» कसा तंज, कहा- भारत के अच्छे दिन कब आएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनावी वादोंको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। विपक्षी पार्टी के प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर कहा कि झूठ, धोखा, दिखावा, लूट और प्रचार ये आपकी सरकार का सबसे अच्छा वर्णन करते हैं। आपका सौ दिन की योजना का ढोल पीटना एक सस्ता प्रचार था। खरगे ने कहा, 16 मई 2024 को आपने दावा किया था कि आपने 2047 के रोडमैप के लिए 20 लाख से अधिक लोगों से सुझाव लिए हैं। लेकिन पीएमओ ने आरटीआई में जानकारी देने से इनकार किया।

जिससे आपके झूठ का पर्दाफाश हुआ। खरगे ने कहा कि बीजेपी में बी का मतलब बेट्रेयल (विश्वासघात या धोखा) और जे का मतलब जुमला है। खरगे ने कहा कि आपका जो भी निर्माण करने का दावा है, वह एक के बाद एक ढह रहा है-महाराष्ट्र में आपने शिवाजी की प्रतिमा, दिल्ली हवाई अड्डे की छत, अयोध्या में राम मंदिर में रिसाव और अटल सेतु में दरारें। गुजरात में पुल गिर जाता है, जबकि बिहार में नए पुलों का गिरना आम बात है। अनगिनत रेल हादसे हुए हैं। जबकि मंत्री रील के जरिए पीआर में व्यस्त हैं। रुपया अब तक के न्यूनतम स्तर पर है। क्या यह आईसीयू में है या मार्गदर्शक मंडल में? आपकी सरकार ने पिछले दस वर्षों में 150 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर्ज लिया है, जो हर भारतीय पर 1.5 लाख रुपये का कर्ज बनता है। एमएसएमई को नोटबंदी और जीएसटी के जरिए नष्ट किया गया है। आर्थिक असमानता 100 साल के उच्चतम स्तर पर है। इस बीते हुए एक दशक में औसत विकास छह फीसदी से कम है। जबकि यूपीए के दौरान यह आठ फीसदी था। निजी निवेश 20 साल के न्यूनतम स्तर पर है, जबकि पिछले एक दशक में विनिर्माण का औसत विकास केवल 3.1 फीसदी है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के दौरान यह 7.85 फीसदी था, जिससे मेक इन इंडिया के बड़े दावों की पोल खुल गई है।

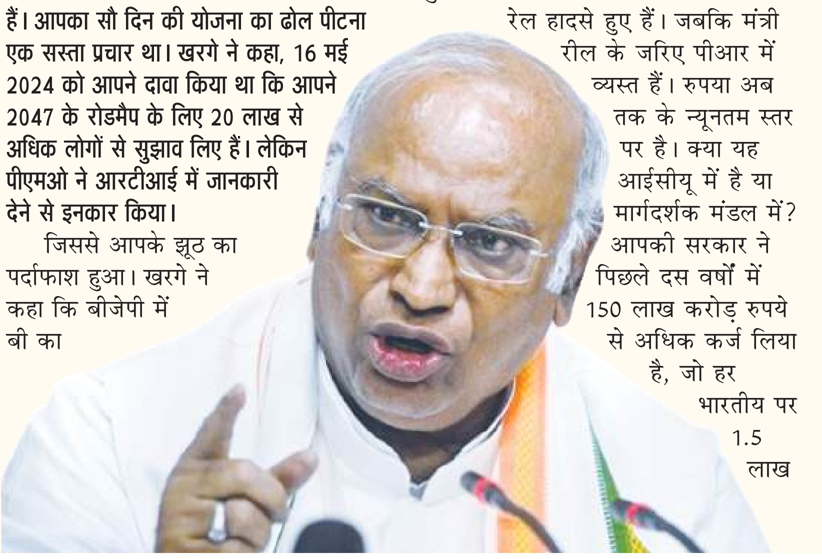

नहीं मिली देश के युवाओं को दो करोड़ नौकरियां

भारत की बेरोजगारी दर 45 साल के उच्चतम स्तर पर क्यों है? क्यों हर जगह नौरी के लिए इतनी भीड़ होती है? सात साल में 70 पेपर लीक के लिए कौन जिम्मेदार है? किसने पीएसयू में हिस्सेदारी बेचकर पांच लाख सरकारी नौकरियां छीनीं? घर की बचत पचास साल के न्यूनतम स्तर पर क्यों पहुंच गई है? पिछले साल में थाली की कीमत 52 फीसदी क्यों बढ़ी? हमारे पास आपके लिए दो शब्द हैं- मोदानी महा घोटाला और सेबी प्रमुख। असंवैधानिक चुनावी बांड के जरिए लूट, उगाही करना भाजपा का सबसे बड़ा वित्तीय अपराध है। भारत की रैंक वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2024 में 105 है। जबकि संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक में इसकी रैंक 134 और वैश्विक लिंगानुपात में 129 है।

विजयन ने वायनाड भूस्खलन पर केंद्र सरकार को घेरा

» विझिंजम बंदरगाह को लेकर सीएम ने वित्तमंत्री को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए वित्तीय सहायता में कमी को देखते हुए केंद्र पर हमला बोला है। राज्य सरकार ने भाजपा और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ पर केरल के विकास को रोकने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने राज्य के 68वें स्थापना दिवस केरलप्पिरावी से पहले दी। विजयन ने केंद्र पर केरल को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वायनाड में भूस्खलन के 90 दिन बाद भी वहां पुनर्वास कार्य के लिए केंद्र सरकार ने एक पैसा मंजूर नहीं किया। विजयन ने दावा किया कि दूसरे राज्यों में प्राकृतिक आपदा के बाद उनके बोलने से पहले ही केंद्र सरकार की तरफ से मदद भेज दी जाती है, लेकिन केरल को मांगने के बावजूद मदद नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, केरल को जानबूझकर और राजनीतिक उद्देश्य से नजरअंदाज किया जा रहा है।

वहीं पिनरई विजयन ने विझिंजम बंदरगाह को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी के माध्यम से उन्होंने विझिंजम बंदरगाह के लिए केंद्र की 817.80 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी जारी करने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य के सामने बाद में इस राशि को चुकाने की शर्त न रखी जाए। विजयन ने चिट्ठी में बताया कि राज्य 8867 करोड़ रुपये के कुल परियोजना परिव्यय में से 5,595 करोड़ रुपये के संसाधनों का निवेश कर रहा है। केरल के सीएम पिनरई विजयन ने कहा, मुझे यकीन है कि मंत्री इस बात की सराहना करेंगे कि केरल जैसे छोटे से राज्य का निवेश में जबरदस्त बलिदान है। उन्होंने आगे कहा, 817.80 करोड़ रुपये का पुनर्भुगतान एनपीवी (नेट प्रेजेंट वैल्यू) के आधार पर किया जाना है।

भारत ने आखिरी टेस्ट में स्थिति की मजबूत

» लंच तक पांच विकेट पर बनाए 195 रन, न्यूजीलैंड से अब भी 40 रन है पीछे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला मुंबई के वानखेड़े में खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवियों की पहली पारी 235 रन पर सिमट गई थी। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में शुक्रवार को चार विकेट पर 86 रन बनाने के बाद शनिवार को भारतीय टीम ने लंच तक एक और विके ट खोकर 109 और जोड़ लिए हैं जिससे भारत की मैच पर पकड़ मजबूत हो गयी है।

अभी तक दूसरे दिन लंच तक पांच विकेट गंवाकर 195 रन बना लिए हैं। अभी भी 40 रन पीछे है। फिलहाल शुभमन गिल 70 रन और रवींद्र जडेजा 10 रन बनाकर नाबाद है। टीम इंडिया ने आज चार विकेट पर 86 रन से आगे खेलना शुरू किया और ऋ षभ पंत ने दिन की पहली दो गेंदों पर दो चौके लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। इसके बाद उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 36 गेंद में टेस्ट करियर का 13वां अर्धशतक जड़ा। वहीं, शुभमन गिल ने भी उनका अच्छा साथ निभाया। गिल ने टेस्ट करियर का सातवां अर्धशतक लगाया। भारत को आज एकमात्र झटका पंत के रूप में लगा। ईश सोढ़ी ने उन्हें एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 59 गेंद में आठ चौके और दो छक्के की मदद से 60 रन बना सके। पंत और गिल के बीच 114 गेंद में 96 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी में गिल का योगदान 35 रन और पंत का 60 रन का योगदान रहा। भारत की ओर से अभी भी सरफराज खान, वॉशिंगटन सुंदर और आर अश्विन की बल्लेबाजी बाकी है। अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड पर बड़ी बढ़त हासिल करने उतरेगी।

पहली पारी में गिल और पंत के बीच हुई 96 रन की अहम साझेदारी

बैट से नहीं डांस कर फैंस का मनोरंजन कर रहे कोहली

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने मस्ती भरे अंदाज के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। उन्हें अक्सर क्रिकेट ग्राउंड पर हंसी मजाक करते देखा जाता है। ये बात किसी से नहीं छिपी है कि किंग कोहली को नाचने और गाने का सबसे ज्यादा शौक है। ऐसा ही कुछ न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में हुआ, जब पूर्व कप्तान ने फैंस की डिमांड पर बीच मैदान में ठुमके लगाए। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा। वीडियो में कुछ फैंस स्टैंड में बैठकर माई नेम इज लखन गाने पर मस्ती करते दिख रहे हैं, तभी वह कैमरा ग्राउंड की तरफ घुमाते हैं जहां विराट कोहली भी थिरकते नजर आते हैं। उनके इस अंदाज ने अब फैंस का दिल जीत लिया है। प्रशंसक इस वीडियो पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

कांग्रेस की योजनाओं को पूरे देश में लागू करें पीएम: अशोक गहलोत

» पूर्व सीएम ने मोदी को लिखे पत्र में राजस्थान की कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों का किया जिक्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए राजस्थान की कांग्रेस सरकार के सामाजिक और आर्थिक न्याय के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस सरकार के पास समावेशी दृष्टिकोण के वादों को पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड है।

गहलोत ने बताया कि कांग्रेस का घोषणा पत्र ही राजस्थान सरकार की नीतियों का आधार था और हर कार्यकाल में पार्टी ने पहली कैबिनेट बैठक में इस घोषणा पत्र पर चर्चा कर उसे नीतिगत दस्तावेज के रूप में अपनाया। उन्होंने कहा कि इस घोषणा पत्र के आधार पर कई कल्याणकारी योजनाएं बनाई गईं और समय पर लागू भी की गईं, जिससे जनता को लाभ हुआ। अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की योजनाओं का अध्ययन कर उन्हें देश भर में लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना से राज्य के कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि हुई है। साथ ही, उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन और न्यूनतम आय कानून को कांग्रेस सरकार की एक अहम उपलब्धि बताया।

हमारी गारंटी देश में सुधार ला रही है : डीके शिवकुमार

वहीं पीएम मोदी के इस ट्वीट पर आज कांग्रेस की तरफ से हमला किया गया है, मंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, हमारी गारंटी देश में सुधार ला रही है। पूरा देश हमारे मॉडल को देख रहा है। भाजपा शासित कुछ राज्य हमारे मॉडल की नकल कर रहे हैं। हमारी गारंटी लोगों के विकास में मदद कर रही है। वे राजनीति देखते हैं, हम विकास देखते हैं।

सीएम बनने के लिए कांग्रेस के साथ गए उद्धव ठाकरे : शिंदे

» बोले- शिवसेना को बचाने के लिए पलटी थी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे पर करारा हमला बोला है। उन्होंने शिवसेना में दोफाड़ होने की वजह पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब राज्य में महा विकास अघाड़ी की सरकार थी, उनसे भी मैं था। वह सरकार बाला साहेब ठाकरे के विचारों के खिलाफ थी। मैंने उद्धव ठाकरे को बहुत समझाया, लेकिन उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया।

बाला साहेब ठाकरे कहते थे कि कांग्रेस को दूर रखो। हमारी पार्टी का नुकसान हो रहा था, पार्टी खत्म होने की कगार पर थी, इसीलिए हमने सरकार पलट दी और शिवसेना भाजपा गठबंधन की सरकार बनाई। एकनाथ शिंदे ने कहा, पिछले दो साल में हमने जनता के लिए काम किया। मुझे इस बात की खुशी है कि हमने दो साल में जो काम किया है, उसकी सराहना खुद प्रधानमंत्री मोदी ने की।

बडगाम हमला सरकार को अस्थिर करने की साजिश

» पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने की मजदूरों पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बडगाम में मजदूरों पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है और इस घटना की स्वतंत्र जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के हमले चिंता का विषय हैं और सवाल उठाया कि कैसे वर्तमान सरकार के तहत ऐसी घटनाएं घटित हो रही हैं। अब्दुल्ला ने बडगाम में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, इसकी जांच होनी चाहिए। कैसे यहां सरकार बन गई है और ये हो रहा है। मुझे तो शक है कि यह वे लोग तो नहीं कर रहे हैं जो इस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं? ये पहले क्यों नहीं हो रहा था? यह सब एक संकट पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा और शांति को चुनौती देती हैं और सरकार को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि मजदूरों पर हुए हमले से स्थानीय लोगों के बीच डर और चिंता बढ़ गई है। फारूक अब्दुल्ला ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह सुरक्षा बलों के साथ मिलकर ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे जो आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को लोगों के विश्वास को पुनः प्राप्त करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। इस घटना ने राज्य में सुरक्षा स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं, और राजनीतिक नेताओं ने इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। अब्दुल्ला की टिप्पणियां उस समय आई हैं जब जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

समय पर आयोजित होंगे पंचायत चुनाव, तैयारियां तेज

फारूक अब्दुल्ला ने पंचायत चुनावों को लेकर कहा है कि चुनाव की तैयारिया की जा रही हैं और इसे समय पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा, पंचायत चुनावों के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। यह चुनाव आयोजित किया जाएगा। अब्दुल्ला ने यह भी स्पष्ट किया कि जम्मू और कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करने की आवश्यकता है। केंद्र शासित प्रदेश के दर्जे को स्वीकार नहीं करना चाहते हैं। अब समय आ गया है, इसे समाप्त किया जाना चाहिए। स्टेटहुड एक वादा है जो संसद और सर्वोच्च न्यायालय के सामने भी किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य का दर्जा बहाल करना केवल राजनीतिक आवश्यकता नहीं है, बल्कि यह लोगों के अधिकारों और उनकी पहचान की रक्षा के लिए भी आवश्यक है। अब्दुल्ला ने जोर देकर कहा कि जम्मू और कश्मीर की जनता को उनके अधिकार और सम्मान लौटाना चाहिए।

बढ़ती दवा की कीमतों पर कांग्रेस ने जताई चिंता, पीएम को लिखा पत्र

» अस्थमा, टीबी, बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी बीमारियों की दवाओं के मूल्य में 50 फीसदी तक की मूल्य वृद्धि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपी) ने हाल ही में कई दवाओं की कीमत में 50 फीसदी का इजाफा किया है। दवाई में बढ़ोतरी को लेकर शनिवार को कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पीएम मोदी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने दवाई की कीमत को लेकर चिंता जाहिर की है। कांग्रेस सांसद ने पत्र में लिखा है, मैं राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के हाल के फैसले पर अपनी चिंता व्यक्त कर रहा हूं, ताकि आम तौर पर उपयोग की जाने वाली आठ दवाओं की अधिकतम कीमतों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के बारे में बता सकूं।

सरकार ने इस वृद्धि के पीछे असाधारण परिस्थितियां और जनहित को कारण बताया है, लेकिन मेरा मानना है कि इस महत्वपूर्ण निर्णय के पीछे के औचित्य को स्पष्ट करना जरूरी है। उन्होंने आगे लिखा, दवाओं की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से अस्थमा, टीबी, बाइपोलर डिसऑर्डर, और ग्लूकोमा जैसी बीमारियों के लिए आवश्यक दवाओं पर असर पड़ सकता है। ये दवाएं लाखों नागरिकों के लिए जीवन रक्षक हैं। कई मरीज और उनके परिवार पहले से ही जरूरी उपचार में वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। दवाओं की कीमतों में वृद्धि से इन व्यक्तियों पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है, जिससे उनके स्वास्थ्य परिणाम प्रभावित हो सकते हैं।

यह वृद्धि लाखों परिवारों पर पड़ेगी भारी : सांसद मणिकम टैगोर

मणिकम टैगोर ने एक्स पर एक पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) द्वारा हाल ही में जरूरी दवाओं की कीमतों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी के बारे में प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। यह वृद्धि उन लाखों परिवारों पर भारी पड़ रही है, जो अस्थमा, टीबी और अन्य बीमारियों के लिए जरूरी दवाओं पर निर्भर हैं। उन्होंने आगे कहा, सरकार से आग्रह है कि वह बड़ी फार्मा कंपनियों के दबाव का विरोध करे और इस निर्णय के लिए स्पष्ट तर्क प्रस्तुत करे। रोगियों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं पर वास्तविक प्रभाव का आकलन करने के लिए एक स्वतंत्र समीक्षा समिति का प्रस्ताव रखा है। हमारे नागरिकों की भलाई के लिए पारदर्शिता और सामर्थ्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

फोटो :4 पीएम

पतंगबाजी जमघट के अवसर पर चौक में आयोजित पतंग प्रतियोगिता का उद्घाटन करने पहुंचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक। पतंग उड़ाकर लिया पतंगबाजी का आनंद।

बागी उम्मीदरों से बढ़ेगी पार्टी की समस्याः अठावले

» केंद्रीय राज्य मंत्री ने महा विकास अघाड़ी के नेताओं के बयानों पर भी दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले महाराष्ट्र में महायुति और महाविकास अघाड़ी में बढ़ती बागियों की संख्या पर खासे चिंतित नजर आ रहे हैं। रामदास आठवले ने कहा है कि कई पार्टियों में बागी उम्मीदवारों की संख्या बढ़ रही है, जो पार्टी के लिए समस्या उत्पन्न कर सकते हैं। हालांकि, हमें पूरा विश्वास है कि हमारे, यानी महायुति के बागी उम्मीदवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के नेताओं पर विश्वास रखते हैं। इसलिए, मैं उम्मीद

करता हूं कि 4 नवंबर तक 99 फीसदी रिबेल उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी वापस ले लेंगे।

महाराष्ट्र में 4 नवंबर नाम वापस लेने का आखिरी दिन है। उन्होंने कहा कि पार्टी में टिकट वितरण के समय नाराजगी की समस्या होती है। अगर एक को टिकट दिया गया तो दूसरा नाराज हो जाता है और अगर दूसरे को दिया गया तो पहला नाराज हो जाता है। लेकिन, बागी उम्मीदवारों को पार्टी के हित में सोचना चाहिए। आठवले ने महा विकास अघाड़ी के नेताओं के बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अरविंद सावंत का बयान महा विकास अघाड़ी के लिए विनाशकारी हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्थिति बिना पानी की मछली की तरह है, जो सत्ता के बिना तड़प रही है। प्रधानमंत्री मोदी पंडित नेहरू के लगातार 15 साल प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड तोड़ने वाले हैं, जिसके कारण कांग्रेस नाराज है।

बिहार की राजनीति में बनीं बमचक की स्थिति

» आर.सी.पी सिंह के नये राजनीतिक दल आसा ने नीतिश कुमार की बढ़ाई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की रजीनीति में बमचक की स्थति है। जहां रोज नित्य नये समीकरण बन रहे हैं और बिगड़ रहे है। ताजा राजनीतिक बवाल पूर्व केन्द्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के बिहार की 143 सीटों पर चुनाव लड़ने के एलान को लेकर है। इस घोषणा पर जनता दल (यूनाइटेड) के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने पूछा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री को नये राजनीतिक दल को बनाने की क्या जरूरत थी।

उन्होंने कहा कि आरसीपी सिंह ने 243 सीटों में से 143 पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है, लेकिन 100 सीटें क्यों छोड़ी है, यह एक बड़ा सवाल है। नीरज कुमार ने यह भी कहा कि उन्हें अपनी सीट पर हार का सामना करना पड़ेगा। आरसीपी सिंह से सवाल करते हुए उन्होंने कहा कि आपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में जगह पाई, तो अचानक भाजपा से अलग होने का क्या कारण है? जनता जानना चाहती है कि किन कारणों से आप भाजपा से अलग हुए हैं। उन्होंने आरसीपी सिंह को नालंदा में चुनाव लड़ने का सुझाव देते हुए कहा कि स्थानीय विधायक जितेंद्र कुमार उनके राजनीतिक प्रबंधन में मदद कर सकते हैं। झारखंड चुनाव में तेजस्वी यादव द्वारा किए गए दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए नीरज कुमार ने आरोप लगाया कि महागठबंधन में जितनी सीटें मिलीं, उनमें से एक भी अल्पसंख्यक या आदिवासी को टिकट नहीं दी गई। आप जेल में बैठे अपराधियों के लिए वोट मांगते हैं, लेकिन महादलित समुदाय के लिए आपके पास समय नहीं है। यह दिखाता है कि आपकी सरकार कितनी भ्रष्ट है। उन्होंने कहा कि जनता को यह तय करना होगा कि क्या वह ऐसे उम्मीदवारों को स्वीकार करेंगे जो जेल में हैं। क्या जनता को यह स्वीकार है कि जेल में बैठे व्यक्ति को कोडरमा से उम्मीदवार बनाया जाए? उन्होंने जनता से अपील की कि वे ऐसे गठबंधन को अस्वीकार करें।

हम हर नोटिस का जवाब देंगेः नीरज कुमार

तेजस्वी यादव द्वारा भेजे गए लीगल नोटिस पर नीरज कुमार ने कहा कि हम हर नोटिस का जवाब देंगे, लेकिन पहले यह बताएं कि आपने शराब कंपनियों से 46 करोड़ रुपये क्यों लिए। उन्होंने कहा कि जब बिहार में शराबबंदी लागू है, तो तेजस्वी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि यह पैसा किस आधार पर मिला। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तेजस्वी ने मुकदमा दायर नहीं किया, तो वह उन्हें राजनीतिक रूप से चुनौती देने के लिए तैयार रहेंगे। हम आपके लीगल नोटिस का जवाब देंगे, लेकिन पहले आपको अपनी दागी पृष्ठभूमि का जवाब देना होगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।